an>

title: Need to address the problem of acute shortage of drinking water in Bhilwara parliamentary constituency, Rajasthan.

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया (भीलवाड़ा): राजस्थान में गंभीर पेयजल संकट है, विशेष रूप से भीलवाड़ा जिले में छः दिन के अन्तराल में मात्र आधे घण्टे पानी उपलब्ध हो पा रहा है। भीलवाड़ा जिले की 25 लाख जनता के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा है। जिला मुख्यालय पर तो वाटर ट्रेन के माध्यम से पानी की सप्लाई संभव हो पा रही है। समस्या के समाधान के लिए 2012 में चम्बल पेयजल परियोजना स्वीकृत हुई थी, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकार की आर्थिक सहभागिता से पूरी की जानी थी। करोड़ें रूपये खर्च करने के बाद भी भीलवाड़ा जिले को पानी उपलब्ध नहीं हो पाया है। 6 बार डेडलाईन दी जा चुकी है परन्तु स्थिति जस की तस है। 90 प्रतिशत से ज्यादा काम इस योजना का पूरा किया जा चुका है। 141 किमी पाईपलाईन डाली जानी थी इसमें 135 किमी पाईपलाईन डाली जा चुकी है। बून्दी जिले में पाईपलाईन का काम वन विभाग की स्वीकृति नहीं होने से अटका हुआ है। वन विभाग द्वारा सही प्रपोजल नहीं भेजे जाने से भारत सरकार के स्तर पर स्वीकृति अटक रही है। पेयजल के गंभीर संकट को देखते हुये यह आवश्यक है कि इसको इमरजेंसी मानते हुये इस परियोजना को तत्काल पूरा किया जाए ताकि भीलवाड़ा जिले की प्यासी जनता को पानी उपलब्ध हो सके।